अवधि : 15 मिनट | हिन्दी आलोचना - 02 | अंक - 10

1. आचार्य शुक्ल की आलोचना सम्बन्धी मान्यताओं को चुनौती देने वाला आलोचक इनमें से कौन है ?
a) परमानंद श्रीवास्तव b) शान्तिप्रिय द्विवेदी
c) नन्ददुलारे वाजपेयी d) शिवदान सिंह चौहान

2. "नन्ददुलारे वाजपेयी को सौष्ठववादी आलोचक कहा जाता है, क्योंकि आलोचना करते समय उनकी दृष्टि नैतिकता के स्थान पर ..... के सूक्ष्मपक्ष पर ही टिकती है।" रिक्त स्थान का सही विकल्प है -
a) शिल्पबोध b) भाषाबोध c) काव्यबोध d) सौन्दर्यबोध

3. नन्ददुलारे वाजपेयी की कृतियों का प्रकाशनकाल की दृष्टि से सही अनुक्रम इनमें से कौन-सा है ?
a) प्रकीर्णिका, नयी कविता, रससिद्धान्त, रीति और शैली
b) रीति और शैली, रस सिद्धान्त, नयी कविता, प्रकीर्णिका
c) रस सिद्धान्त, नयी कविता, प्रकीर्णिका, रीति और शैली
d) नयी कविता, प्रकीर्णिका, रीति और शैली, प्रकीर्णिका

4. प्रकाशन-काल की दृष्टि से नन्ददुलारे वाजपेयी की निम्न-लिखित कृतियों का सही क्रम है -
a) आधुनिक साहित्य, जयशंकर प्रसाद, नया साहित्य : नए प्रश्न
b) नया साहित्य : नए प्रश्न, आधुनिक साहित्य, जयशंकर प्रसाद
c) जयशंकर प्रसाद, आधुनिक साहित्य, नया साहित्य : नए प्रश्न
d) आधुनिक साहित्य, नया साहित्य : नए प्रश्न, जयशंकर प्रसाद

5. रीतिकालीन कविता को 'क्षयग्रस्त' किसने घोषित किया ?
a) भारतेन्दु b) निराला c) डॉ. नगेन्द्र d) रामचन्द्र शुक्ल

REDMI NOTE 8

6 पण्डित हजारी प्रसाद द्विवेदी की प्रथम आलोचनात्मक कृति इनमें से कौन- सी है ?

a) सूर साहित्य b) हिन्दी साहित्य की भूमिका c) हिन्दी साहित्य का आदिकाल d) कालिदास की लालित्य योजना

7 प्रसाद साहित्य का अधिकारी प्रवक्ता / आलोचक इनमें से कौन है ?

a) मुक्तिबोध b) शान्तिप्रिय द्विवेदी c) रामचन्द्र शुक्ल

d) नंददुलारे वाजपेयी

8 इनमें से कौन- सा युग्म सुमेलित नहीं है ?

a) आलोचक की आस्था - रामचन्द्र शुक्ल

b) नया साहित्य : नए प्रश्न - नन्ददुलारे वाजपेयी

c) सूर साहित्य - हजारी प्रसाद द्विवेदी

d) प्रगति और परम्परा - रामविलास शर्मा

9 'हिन्दी का पाणिकृत आचार्य' इनमें से किसको कहा जाता है ?

a) महावीर प्रसाद द्विवेदी b) भारतेन्दु

c) रामचन्द्र शुक्ल d) हजारी प्रसाद द्विवेदी

10 आचार्य शुक्ल ने 'रसाभास' को रस की कौन- सी कोटि माना है ?

a) उत्तम b) मध्यम c) निकृष्ट d) इनमें से कोई नहीं

— o —